एक नजर में

## थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए प्रतियोगिता आयोजित

**इंदौर .** थैलेसीमिया एंड चाइल्ड वेलफेयर ग्रुप का उद्देश्य केवल पीड़ित बच्चों को ब्लड और दवाई दिलवाना नहीं है बल्कि सभी बीमार बालकों और उनके परिवारों के सर्वांगीण विकास पर भी फ़ोकस करना है . इसी कड़ी में एक सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता थैलेसीमिया डे केयर सेंटर में रखी गई . प्रतियोगिता थैलेसीमिया पीड़ित बच्चो और उनके माता-पिता के लिए रखी गई . बच्चों से पूछा गया गणेश भगवान के माता -पिता का नाम, राखी कब मनाते है ? थैलेसीमिया बीमारी में क्या होता है ? आदि पैरेंट्स से पूछा गया आठ मई को कौन से दिवस मनाए जाते है ? बीएमटी क्या होता है ? एचएल ए मैचिंग टेस्ट कैसे करते है ? उत्तर देने वालो को उपहार दिए गए . डॉ . रजनी भंडारी . पूर्णिमा राउत, प्रेरणा शेन्त्रे और चंदा शर्मा ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाया .

## सहयोग सोशल वेलफेयर ग्रुप ने किए सेवा कार्य

**इंदौर .** अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर सहयोग सोशल वेलफेयर ग्रुप की ओर से नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, सदर बाजार, मराठी मोहल्ला में एक पंखा स्थापित किया गया . साथ ही, एक बेटी के विवाह हेतु 5000 रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई एवं उसके लिए साड़ी भी भेंट की गई . एक छोटा सा सहयोग, किसी की बड़ी खुशी बन गया .

## एकेडेमी ऑफ इंदौर मैराथनर्स की नई कार्यकारिणी गठित

**इंदौर .** एकेडेमी ऑफ इंदौर मैराथनर्स (एआईएम) ने आगामी दो वर्षों, 2026-2027 के लिए अपनी नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चयन किया है . एआईएम दौड़ और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक गैर-व्यावसायिक संस्था है, जिसने सेंट्रल इंडिया में फिटनेस के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाई है . नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष के रूप में डॉ . अरुण अग्रवाल, मानद सचिव संदीप खण्डेलवाल, कोषाध्यक्ष आशुतोष सांघी, संयुक्त कोषाध्यक्ष वरुण बोकाड़िया, उपाध्यक्ष अशोक होलानी और प्रवीण पाराशर, रेस डायरेक्टर सुरेश लाहोटी, संयुक्त सचिव चंद्रेश झुरानी और डॉ . शिखा शर्मा, तथा रनर्स क्लिनिक के प्रभारी प्रियव्रत शाह शामिल हैं . संस्था के मुख्य संरक्षक श्री कैलाश विजयवर्गीय जी ने नई टीम को अपनी बधाइयाँ और शुभकामनाएँ दी हैं .

## गंभीर मामलों में फेफड़ा प्रत्यारोपण से बच रही जिंदगी

इंदौर . इंटरस्टिशियल लंग डिजीज, गंभीर सीओपीडी, पल्मोनरी फाइब्रोसिस, ब्रोंकिएक्टेसिस और केमिकल पॉइजनिंग जैसे मामलों में लंग ट्रांसप्लांटेशन जीवन रक्षक साबित हो रहा है . समय पर इलाज और सही रेफरल से मरीजों की सर्वाइवल रेट में तेजी से सुधार हो रहा है . गंभीर श्वसन विफलता के मामलों में एक्मो तकनीक अहम भूमिका निभा रही है . यह तकनीक उन मरीजों के लिए जीवन रेखा साबित हो रही है जो लंग ट्रांसप्लांट का इंतजार कर रहे होते हैं . यह बात यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के सीनियर कंसल्टेंट-इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी एवं स्लीप मेडिसिन डॉ . बी . विश्वेश्वरन ने मीडिया से चर्चा में कही . उन्होंने बताया कि हाल ही में पैराक्वाट जहर से पीड़ित 12 वर्षीय बालक पर सफल बाइलेटरल लोबर लंग ट्रांसप्लांट किया गया . यह केस वैश्विक स्तर पर बाल चिकित्सा लंग ट्रांसप्लांटेशन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है . इस अवसर पर सेंट्रल इंडिया इंचार्ज आशुतोष राठौर ने बताया कि - मध्य भारत के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यशोदा हॉस्पिटल्स जल्द ही इंदौर में सुपर-स्पेशलिटी ओपीडी सेवाएं शुरू करने की योजना बना रहा है, जिससे मरीजों को उन्नत इलाज के लिए बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी .

## आदिगुरु शंकराचार्य की जयंती पर समरसता महाआरती

इंदौर . आदिगुरु शंकराचार्य की जन्म जयंती के पावन अवसर पर संस्था मालवा संस्कृति मंच द्वारा भव्य समरसता महाआरती का आयोजन किया . आयोजन में शहर की युवा पीढ़ी ने एकत्रित होकर सामाजिक एकता, सांस्कृतिक चेतना और सनातन परंपरा के संरक्षण का संदेश दिया . संस्था अध्यक्ष कमलपुरी गोस्वामी, सुरेंद्र सिंह छाबड़ा ने बताया कि आदिगुरु शंकराचार्य जी की गौरवशाली दशनामी परंपरा और उनके जीवन दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस समरसता महाआरती का आयोजन किया, सैकड़ों युवाओं ने आदिगुरु शंकराचार्य की समरसता महाआरती की . इस आयोजन में शहर के समाजों के समाजजन ने दीप प्रज्वलित कर महाआरती में सम्मिलित हुए . अतिथियों ने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य जी ने भारतीय सनातन संस्कृति को नई दिशा देने का कार्य किया था . उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं . इस अवसर पर अविनेश हार्डिया, भावना मौर्य, अंजलि पाटीदार, कैलाश पेशवानी, मनीष ओझा, मधु तलवार, शुभम हार्डिया, चेतन हार्डिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## शैक्षणिक सामग्री खरीदी मामले में सुराज्य अभियान को सफलता

इंदौर . निजी स्कूलों द्वारा शैक्षणिक सामग्री के नाम पर अभिभावकों की होने वाली आर्थिक लूट को रोकने के लिए 'सुराज्य अभियान' द्वारा चलाए गए अभियान को बड़ी सफलता मिली है . स्कूल किसी विशिष्ट दुकान से ही स्कूल ड्रेस, कॉपियाँ या शैक्षणिक सामग्री खरीदने के लिए मजबूर न करें, इसके लिए शिक्षा निदेशालय ने 15 अप्रैल 2026 को एक कड़ा परिपत्र (सर्कुलर) जारी किया है . इस आदेश की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें केवल नियम नहीं बताए गए हैं, बल्कि एक सक्षम शिकायत निवारण प्रणाली को सक्रिय करने के आदेश भी दिए गए हैं . सुराज्य अभियान के महाराष्ट्र राज्य समन्वयक अभिषेक मुरुकटे ने कहा कि महाराष्ट्र का यह आदेश एक महत्वपूर्ण पड़ाव है . भारत के कुछ अन्य राज्यों ने भी इसी तरह के कदम उठाए हैं ; लेकिन यह संकट पूरे देश में फैला हुआ है और कई केंद्रीय बोर्डों के स्कूल राज्य के नियमों को नहीं मानते हैं . इसलिए हमने केंद्रीय शिक्षा सचिव और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मांग की है कि पूरे देश के लिए एक समान नेशनल एडवाइजरी जारी की जाए, ताकि किसी भी राज्य के अभिभावकों की आर्थिक लूट न हो . अभिभावक इस संदर्भ में सुराज्य अभियान से भी संपर्क कर सकते हैं . महाराष्ट्र में अब शिकायत निवारण का मार्ग खुल गया है, इसलिए अभिभावक बिना डरे नोडल अधिकारियों को या ई-मेल द्वारा साक्ष्यों के साथ शिकायत दर्ज कराएं। अभिभावक इस संदर्भ में सुराज्य अभियान से भी संपर्क कर सकते हैं .

# एक सशक्त कार्यकर्ता ही पार्टी संगठन को सशक्त बनाने का मूल आधार

- कार्यकर्ताओं को वैचारिक और तकनीकी रूप से मजबूत बना रही भाजपा
- इंदौर में भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग, संगठन और रणनीति पर मंथन

नवभारत न्यूज

**इंदौर. बुधवार को डेली कॉलेज में पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के लिए पश्चिम मध्य क्षेत्र के वक्ता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया. आयोजन में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने संबोधित किया.**

भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि भाजपा संगठन कार्यकर्ताओं की विचारशीलता, क्षमता और समर्पण से ही मजबूत होता है. एक सशक्त कार्यकर्ता ही पार्टी संगठन को सशक्त बनाने का मूल आधार है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित दल है. संगठन कार्यकर्ताओं के व्यक्तिव निर्माण के लिए प्रशिक्षण वर्ग आयोजित करता है. पार्टी कार्यकर्ता प्रशिक्षण से खुद को निखारने और संगठन के कार्यों के साथ सरकार के कार्यों से जनता को अवगत कराएं. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को विचारधारा व संगठनात्मक कार्यों से अवगत कराने के लिए प्रशिक्षण वर्ग आवश्यक होता है। कार्यकर्ता प्रशिक्षण की बातों को आत्मसात भाजपा संगठन की मजबूती के लिए कार्य करें. भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि सामूहिक चर्चा से प्रशिक्षण जीवंत होता है। संवाद की यह प्रक्रिया निरंतर जारी रखना चाहिए. भाजपा विचारधारा के आधार पर कार्य करने वाला विश्व का सबसे बड़ा दल है. उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी देशभर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 चला रही है. इसके तहत मंडल और जिला स्तर पर 2-3 दिन के प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं. इनका उद्देश्य कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, संगठन को मजबूत बनाने और सरकार की जनहित योजनाओं के बारे में जानकारी देना है.

**संगठन और व्यक्तित्व विकास पर जोर**-इस प्रशिक्षण का मकसद सिर्फ संगठन को मजबूत करना नहीं है, बल्कि कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देना है। ताकि वे वैचारिक रूप से मजबूत बन सकें और समाज में बेहतर भूमिका निभा सकें।

**कई राज्यों के कार्यकर्ता शामिल**-इस क्षेत्रीय कार्यशाला में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गोवा, दमन-दीव और दादरा एवं नगर हवेली से 348 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया.

**प्रशिक्षण की अहमियत**-भाजपा नेत्री कृष्णा गौर ने कहा कि पार्टी में प्रशिक्षण एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। कार्यकर्ताओं को वार्ड स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक विचारधारा, अनुशासन और रणनीति की ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि वे समाज में एक आदर्श कार्यकर्ता बन सकें।

**जिला स्तर पर होंगे अगले प्रशिक्षण**-पार्टी पहले ही मंडल स्तर के प्रशिक्षण पूरे कर चुकी है. अब जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. इसी तैयारी के लिए वक्ताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है.

### कई वरिष्ठ नेता रहे मौजूद

इस कार्यक्रम में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, गौरव रणदिवे, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा समेत कई नेता शामिल हुए . साथ ही संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, नगर प्रभारी राजेश सिंह सोलंकी, गजेन्द्र पटेल, सुमेरसिंह सोलंकी, कृष्णमुरारी मोघे, बाबूसिंह रघवंशी, गोपीकृष्ण नेमा आलोक दुबे, जयपालसिंह चावड़ा, अर्चना चिटनीस, जीतू जिराती, दिलीप पाटोदिया, उषा ठाकुर, दिव्या गुप्ता, रमेश धाडीवाल, छतरसिंह दरबार, राजवर्धनसिंह दत्तीगांव, राधेश्याम यादव सहित 6 राज्यों के अपेक्षित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

### सरकार की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाएं

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ . मोहन यादव ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व निर्माण के लिए होता है . प्रशिक्षण वर्ग से कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व निर्माण में निखार आता है . प्रशिक्षण से कार्यकर्ता में स्वयं का भी निखार आता है, जिससे पार्टी की कार्यपद्धति और विचारधारा को आगे बढ़ाना और आसान हो जाता है . भाजपा कार्यकर्ता के लिए सत्ता केवल जनता की सेवा करने का माध्यम है . पार्टी कार्यकर्ता जनता को बताएं कि मध्यप्रदेश सरकार जनता की सेवा का कार्य कर रही है . पार्टी कार्यकर्ता संगठन के कार्यों के साथ सरकार की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाएं .

### तकनीक और चुनावी रणनीति पर ट्रेनिंग

कार्यशाला के अलग-अलग सत्रों में डिजिटल तकनीक, डेटा मैनेजमेंट, सोशल मीडिया और आधुनिक चुनावी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई . कार्यकर्ताओं को सिखाया गया कि डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर चुनाव प्रचार कैसे प्रभावी बनाया जा सकता है .

## छात्राओं को जूडो-कराटे का प्रशिक्षण

- मां कन्केश्वरी देवी शासकीय महाविद्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम

**इंदौर.** माँ कंकेश्वरी देवी शासकीय महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनाने हेतु जूडो-कराटे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. यह कार्यक्रम प्राचार्य मेजर डॉ. संजय सोहनी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ.

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य के उद्बोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने वर्तमान समय में छात्राओं के लिए आत्मरक्षा के महत्व पर बल दिया. डॉ. शैलेन्द्र पिपरिया ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम की जानकारी देते हुए छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया. संचालन डॉ. बबीता अग्रवाल ने किया तथा संयोजिका डॉ. प्रगति जैन ने जूडो-कराटे प्रशिक्षण को आत्मविश्वास, साहस और अनुशासन विकसित करने का प्रभावी माध्यम बताया. प्रशिक्षण सत्र में डॉ. फातिमा जमाली ने छात्राओं को जूडो एवं मार्शल आर्ट की व्यावहारिक तकनीकों का अभ्यास कराया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यक्रम में डॉ. स्मिता चैतन्य, डॉ. अंजली पाल, डॉ. प्रियंका ढलवानी, डॉ. पुष्पा पठोते, डॉ. रीना खांडेकर सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे. अंत में डॉ. प्रगति जैन ने आभार व्यक्त किया. विधायक रमेश मंदोला एवं चंदू शिंदे ने भी कार्यक्रम की सराहना की.

## युद्ध के प्रभाव और पर्यावरण के लिए करनी होगी चिंता

- डेवलपमेंट फाउंडेशन की परिचर्चा में विशेषज्ञों ने दिए सुझाव

**इन्दौर.** वर्तमान दौर में विश्व के विभिन्न देशों में चल रहे, युद्ध क्षेत्रीय एवं वैश्विक पर्यावरण को गंभीर एवं दीर्घकालिक क्षति पहुंचा रहे हैं. समूचे विश्व में पर्यावरण असंतुलित होकर मानव सहित जैव विविधता के लिए संकट पूर्ण होता जा रहा है. युद्ध में उत्सर्जित भारी मात्रा में कार्बन डाई आक्साइड वायुमंडल में जमा होकर ग्लोबल वार्मिंग के खतरे को गंभीर बना रही है. भूजल ,जमीन और वायु प्रदूषण, आने वाली पीढ़ियों तक भी दुष्प्रभाव डालेगा. यद्यपि भारत युद्ध में शामिल नहीं है किंतु युद्ध के कारण बढ़ती महंगाई आम जनों के जीवन को कठिन बना रही है हम सभी को मिलकर युद्ध के प्रभाव एवं पर्यावरण के लिए चिंता करनी होगी ।

उक्त विचार डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा जाल सभागृह में युद्ध के पर्यावरण पर प्रभाव एवं ऊर्जा संकट विषय पर आयोजित परिचर्चा में, पर्यावरण एवं ऊर्जा क्षेत्र के कार्य कर रहे विभिन्न विशेषज्ञ वक्ताओं ने कही. पर्यावरण विद् तथा गुजराती कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ ओ पी जोशी ने कहा कि युद्ध में बड़ी मात्रा में घातक हथियारों का उपयोग करने से ग्रीन हाउस में बनने वाली गैस 33 प्रतिशत तक हो जाती है. गोपनीयता आड़ में जानकारियां छुपा ली जाती हैं. युद्ध में साइंस और टेक्नोलॉजी का बढ़ता प्रयोग इसे मारक और विनाशकारी बना रहा. सभी प्रकार के प्रदूषण बढ़ रहे हैं जिससे पालतू पशु - पक्षी ,बाग- बगीचे, इमारतें ,ऐतिहासिक धरोहर, पानी के स्रोत, तेल के भंडार एवं सड़क, पुल, परिवहन और आवास के बुनियादी ढांचे नष्ट हो रहे हैं. प्रारंभ में डेवलपमेंट फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी आलोक खरे ने परिचर्चा की भूमिका प्रस्तुत की. इस अवसर पर शफी शेख ,प्रणीता दीक्षित, अशोक मित्तल आदि भी उपस्थित थे. संचालन श्याम पांडे ने तथा अंत में रामेश्वर गुप्ता ने आभार व्यक्त किया.

**ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ानी होगी**-एसजीएसआईटीएस के पूर्व निदेशक डॉ संदीप नारूलेकर ने युद्ध के कारण बढ़ रहें ऊर्जा संकट को लेकर कहा कि ऊर्जा स्त्रोतों पर आधिपत्य युद्ध का कारण बन रहा है. युद्धों के कारण दुनियाभर में ऊर्जा का संकट है. अत: हमें ऊर्जा केंद्रीत जीवन शैली पर पुनर्विचार करना होगा. ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों की ओर ध्यान देकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ानी होगी. हम निजी वाहनों को प्रोत्साहित कर पेट्रोल की खपत बढ़ाते हैं जबकि जरूरत सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित करने की है. ईवी गाड़ियों की बैटरियों से जुड़े प्रभावों के प्रति भी हम जागरूक नहीं हैं. हमें ऊर्जा के डिमांड साइड मैनेजमेंट पर ध्यान देना चाहिए.

### भूजल स्तर नीचे चला गया

जल क्षेत्र विशेषज्ञ डॉ सुरेंद्र मोहन शर्मा ने कहा कि युद्ध से प्राकृतिक जलीय चक्र को स्थायी क्षति हो रही है . युद्ध प्रभावित देशों में भूजल स्तर असामान्य रूप से नीचे चला गया है . डॉ जयश्री सिक्का ने कहा कि जैव विविधता समाप्त हो रही है तमाम प्रयासों के बाद भी भारत में मात्र 7% ऊर्जा वैकल्पिक स्त्रोतों से बन रही है . परिचर्चा में पर्यावरण विद् डॉ दिलीप वाघेला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की विभाग प्रमुख डॉ रेखा आचार्य, प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के पूर्व अधिकारी सुनील व्यास, इंटक के प्रदेश अध्यक्ष श्याम सुंदर यादव, मेधा बर्वे, कृभको के पूर्व अधिकारी राजेंद्र जैन, प्रो असद खान, प्रमोद नामदेव, डॉ, नागेश आदि ने भी संबोधित किया . अध्यक्षता करते हुए नर्मदा कंट्रोल अथॉरिटी के पूर्व निदेशक डॉ मुकेश चौहान ने कहा कि शासन थोरियम आधारित नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों पर भी विचार कर सकता है .

## पर्यावरण संरक्षण, जल-संवर्धन और प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने का संकल्प

**इंदौर. विश्व पृथ्वी दिवस पर मालवमंथन द्वारा इंद्रपुरी कॉलोनी क्षेत्र स्थित श्री सिद्धिविनायक गणेश मंदिर उद्यान में जागरूकतापरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर धरती माता का विधिवत पूजन कर उन्हें जीवामृत एवं मोटा अनाज अर्पित किया गया.**

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. माला सिंह ठाकुर ने कहा कि धरती माता केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और अस्तित्व की आत्मा हैं. आज आवश्यकता इस बात की है कि हम केवल जागरूकता तक सीमित न रहें, बल्कि अपने व्यवहार में भी परिवर्तन लाएँ. कार्यक्रम की जानकारी डॉ. स्वप्निल व्यास द्वारा दी गई. उन्होंने बताया कि मालवमंथन द्वारा हर वर्ष पृथ्वी दिवस पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य केवल औपचारिकता निभाना नहीं, बल्कि समाज में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता को जागृत करना है. जब तक हम व्यक्तिगत स्तर पर प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्यों को नहीं समझेंगे, तब तक बड़े बदलाव संभव नहीं हैं। वही उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, जल-संवर्धन, वृक्षारोपण एवं प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया. शपथ का वाचन अभ्यास मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गुप्ता द्वारा कराया गया. विशेष अतिथि के रूप में पार्षद सुनीता सुनील हार्डिया उपस्थित रही, वही साहित्यकार हरेराम वाजपेयी ने पृथ्वी के महत्व पर कविता पाठ किया.

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को प्रसाद स्वरूप औषधीय पौधों का वितरण किया गया. संचालन मनीष भालेराव ने किया. आभार प्रदर्शन रमेश गोधवानी ने किया. कार्यक्रम में मुरली खण्डेलवाल, राजेश जयसवाल, कुणाल भवर के साथ कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं इंद्रपुरी कॉलोनी रहवासी संघ के सदस्य उपस्थिति रहे.

## तेज रफ्तार आयशर ने बाइक को मारी टक्कर, इलाज के दौरान युवक की मौत

इंदौर. इंदौर उज्जैन रोड पर तेज गति व लापरवाही से चलाए जा रहे आयशर वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिसमें एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई. जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई.

सांवेर थाना क्षेत्र के ग्राम तराना में रहने वाले 43 वर्षीय मलखान सिंह राठौर ने पुलिस को कि शिकायत में बताया कि गोल्डन रिसोर्ट के सामने आयशर वाहन नम्बर डीएल 1 जीसी 5308 के चालक ने तेज रफ्तार व लापरवाही से वाहन चलाते हुए सोहन सिंह पंवार की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. हादसे में सोहन सिंह पंवार और उनकी पत्नी सीमा बाई गंभीर रूप से घायल हो गए. दोनों को इलाज के लिए अरविंदो अस्पताल इंदौर ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान सोहन सिंह पंवार की मृत्यु हो गई. पुलिस ने आयशर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

### दुकान का ताला तोड़कर चोरी

इंदौर . परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने दुकान का ताला तोड़कर गुटखा, सिगरेट और नकदी चोरी कर ली . निपानिया स्थित तुलसी नगर में रहने वाले 40 वर्षीय दीपक चंदानी की पाटनीपुरा स्थित दुकान में चोरी हो गई . अज्ञात बदमाश दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और गुटखा पाउच के 8 से 10 पैकेट, सिगरेट के 3 पैकेट तथा गल्ले में रखी करीब 2 हजार रुपए की चिल्लर चोरी कर ले गए . घटना की सूचना पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है .

## परिंदों के लिए दाना-पानी रखने राजवाड़ा पर मिट्टी के सकोरों का वितरण

**इंदौर. संस्था जीवन प्रवाह ने अपने पर्यावरण हितैषी पुण्योदय प्रकल्प के तहत एक अभिनव निर्णय लेते हुए राजवाड़ा स्थित बस स्टैंड पर मूक परिंदों की सेवा के लिए मिटटी के 500 सकोरे, दाने के पैकेट और कपडे की थैलियों का वितरण कर जहाँ पशु-पक्षियों की सेवा का सन्देश दिया है वहीं जनमानस में पर्यावरण के प्रति चेतना जगाने का भी अनुकरणीय प्रयास किया है.**

संस्था के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार मेहता के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सचिव प्रकाश सोनी ने बताया कि संस्था द्वारा पिछले 15 वर्षों से लगातार ग्रीष्मकाल में प्रतिवर्ष मूक परिंदों की सेवा के लिए मिटटी के सकोरों का निशुल्क वितरण अभियान चलाया जा रहा है. इसके साथ ही अन्य अवसरों पर भी पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण, कान्ह नदी के शुद्धिकरण में भी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई जा रही है. इस बार भी राजेंद्र स्वर्णकार की अध्यक्षता में विश्वास गुप्ता, कुशाग्र सोनी, धनीराम कोष्टी के सहयोग से समाज एवं शहर को यह सन्देश देने का विनम्र प्रयास किया गया है. उन्होंने आश्वस्त किया कि संस्था जीवन प्रवाह की मेजबानी में प्लास्टिक मुक्त समाज और पक्षी मित्र पर्यावरण की दिशा में निरंतर अभियान जारी रहेंगे.

एक नजर में

इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन के स्टूडेंट चैप्टर द्वारा ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन

## डेटा के आधार पर सही ऑडियंस तक पहुंचना हो गया आसान

**इंदौर.** इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन (आईएमए) के स्टूडेंट चैप्टर द्वारा वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस में एक ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया गया. सत्र का विषय मास्टरिंग द मीडिया मिक्स: प्लानिंग, शेड्यूलिंग एंड बाइंग रहा, जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक विज्ञापन और मीडिया रणनीतियों की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई.

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता ब्रैंड स्ट्रैटेजिस्ट सुश्री अवनी जैन रावत थीं. उन्होंने सरल भाषा में समझाया कि सही मीडिया मिक्स और प्रभावी शेड्यूलिंग के माध्यम से किसी भी ब्रांड को सही दर्शकों तक पहुंचाया जा सकता है. साथ ही उन्होंने मीडिया बाइंग (विज्ञापन खरीद) से जुड़े अपने व्यावहारिक अनुभव भी साझा किए. सत्र में मीडिया के तीन प्रमुख प्रकारों—कॉन्वेन्शनल मीडिया जैसे- अखबार, रेडियो, टीवी, आउटडोर, डिजिटल मीडिया जैसे- सोशल मीडिया, गूगल, ईमेल, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग और मिक्स मीडिया इवेंट्स, एक्टिवेशन, पीआर, स्पॉन्सरशिप आदि पर विस्तार से चर्चा की गई. विद्यार्थियों को बताया गया कि डिजिटल मीडिया आज के समय में सबसे तेजी से बढ़ता क्षेत्र है, जहां डेटा के आधार पर सही ऑडियंस तक पहुंचना आसान हो गया है. मीडिया प्लानिंग के तहत मुख्य बात यह बताई गई कि कम बजट में अधिकतम प्रभाव कैसे प्राप्त किया जाए. इसके लिए सही प्लेटफॉर्म का चयन और उसे व्यापारिक लक्ष्यों के साथ जोड़ना जरूरी है.

### कॅरियर के लिए उपयोगी सुझाव भी दिए

मीडिया बाइंग के अंतर्गत रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट आधारित निर्णय, प्लेटफॉर्म ऑप्टिमाइजेशन और विज्ञापन दरों पर सही बातचीत के महत्व को समझाया गया . वक्ता ने बताया कि निरंतर विश्लेषण और सही रणनीति से मार्केटिंग अभियान को सफल बनाया जा सकता है . इस अवसर पर संस्था के डायरेक्टर डॉ . जॉर्ज थॉमस, पीजी डिपार्टमेंट की एचओडी डॉ . मनदीप गिल तथा आईएमए के यश जायसवाल भी उपस्थित रहे . कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और फैकल्टी सदस्यों ने भाग लिया . सत्र के अंत में विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए सुश्री अवनी ने मीडिया और मार्केटिंग में करियर बनाने के उपयोगी सुझाव भी दिए .